अमर उजाला

बरेली
सोमवार, 7 जुलाई 2025
आषाढ़ शुक्ल-द्वादशी
विक्रम संवत-2082

PAGE NO : 08 TOP

रिद्धिमा में राग मल्हार ने बरसाए मेघ, संगीत का अद्भुत संगम

एसआरएमएस रिद्धिमा में आयोजित कार्यक्रम में प्रस्तुति देते कलाकार। स्रोत : संस्था

बरेली। एसआरएमएस रिद्धिमा में रविवार शाम आयोजित रैनबो इंस्ट्रूमेंटल कार्यक्रम ने संगीत प्रेमियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। संस्थान के वाद्ययंत्र गुरुओं और विद्यार्थियों ने हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत और पाश्चात्य धुनों का अद्भुत फ्यूजन प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम की शुरुआत कर्नाटक संगीत के राग हंसध्वनि से हुई, जिसे सारंगी, वायलिन, बांसुरी, मृदंगम, तबला, ड्रम, गिटार, सितार, कांगो जैसे विभिन्न वाद्ययंत्रों पर खूबसूरती से पेश किया गया। इसके बाद, मैडोना और बोनी एम जैसे गानों की धुनों ने श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। हिंदी फिल्मों के प्रसिद्ध गाने जैसे सेनोरिटा और है अपना दिल तो आवारा को भी सैक्सोफोन, वायलिन, फ्लूट और गिटार के मधुर संयोजन से मंच पर प्रस्तुत किया गया।

इस संगीतमय शाम में एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देव मूर्ति, ऋचा मूर्ति, सुभाष मेहरा, डॉ. एमएस बुटोला, डॉ. प्रभाकर गुप्ता, डॉ. अनुज सक्सेना, डॉ. शैलेश सक्सेना, डॉ. शरद जौहरी, डॉ. पीके परडल, डॉ. विद्या नंद आदि मौजूद रहे। संवाद